लाल किताब द्वारा शुभ-अशुभ फल

लाल किताब की कुंडली आप जानते हैं कि हमेशा एक ही लग्न रहता है। आपका किसी भी राशि का लग्न हो, मेष राशि से मीन लग्न तक।

आपको अब राहु ग्रह के विषय में बताएंगे कि राहु ग्रह लग्न में है। उदाहरण के तौर पर आपका 'मीन लग्न' है और यदि राहु ग्रह पहले भाव यानी लग्न में बैठा है तो उसका प्रभाव इस तरह बाकी लग्न की बात लिखेंगे।

राहु लग्न में :- बिल्ली की जेर (झिल्ली) सूर्य रंग के कपड़े में (खाकी) रंग शुभ फल देगा या सूर्य से जुड़ी वस्तुएं यानी गुड़, ताबां, गेहूं दान करना शुभ होगा। धनवान होगा, परन्तु स्त्री की सेहत और आयु को लेकर कुछ सही नहीं होगा। स्त्री को लेकर तब सही नहीं होगा जब वह (सप्तम भव) में शुक्र होगा। किसी भी लग्न की कुंडली हो उसके पहले भाव में राहु और सप्तम भाव में शुक्र हो तो यह स्थिति होगी।

यदि मंगल कुंडली के बारहवें भाव में होगा, तो राहु का फल शुभ न अशुभ अर्थात् मंगल शांत रहेगा।

अब आपको यह भी बता दें कि सूर्य किस भाव में स्थित हो, तो राहु क्या फल देगा।

1. पहला भाव :- सूर्य पहले भाव राहु के साथ है तो- सरकार से जुड़ी स्थितियों के कार्यों में व्यक्ति अपनी बुद्धि से बेबुनियाद शक और बुरी शरारतें दिमाग में बनी रहेगी। चाहे वह रिश्वत से जुड़ी हो या अन्य किसी व्यक्ति को नुकसान पहुंचाने की स्थिति हो।

2. दूसरा भाव- सूर्य के साथ हो तो धर्म के खिलाफ या नास्तिक होगा। ससुराल और धर्म दोनों स्थान; दोनों की इज्जत करने की बजाय उनसे नफरत करेगा।

3. तीसरा भाव- सूर्य के साथ हो तो भाई और बन्धुओं पर मुसीबतें खड़ी होंगी।

4. चौथा भाव :- सूर्य राहु माता, नानी के परिवार में संकट और आप की स्थिति में रुकावटें बनी रहेंगी।

5. पांचवें भाव में सूर्य के साथ है तो संतान तो जरूर होगी परंतु संतान के कारण घर में बरबादी रहेगी।

6. छठे भाव :- में सूर्य है तो, संतान के रिश्तेदारों की तरफ से बुरी हवाएं बिना कारण इल्जाम लगेंगे।

7. सप्तम भाव - में सूर्य है तो सरकारी कार्यों, न्यायालय/ नौकरी और गृहस्थ जीवन को लेकर बुरी स्थितियां होंगी।

8. अष्टम भाव में सूर्य की स्थिति हो तो घर में खर्चों की अधिकता होगी। बरक्कत की कमी रहेगी।

9. नवम भाव में सूर्य की स्थिति हो तो धर्म के लिए लापरवाह होगा। मन्दिर की एक लाइब्रेरी बनाएगा और मन्दिर में उल्टे-सीधे कार्यों में लिप्त होगा।

10. दशम भाव :- सूर्य की स्थिति दुनिया ऐतबार का जीवन आम बात होगी। सानी गलत कार्य भी करेगा तो भी लोग उस पर एतबार करेंगे।

11. ग्यारहवां भाव :- सानी सूर्य ग्यारहवां भाव में होगा, तो इन्साफ करने वाले दिमाग के लोगों को भी अहंकार व गंदी सोच से बरबाद करेगा।

12. बारहवां भाव :- सूर्य बारहवें भाव में हो, तो रात को सोते समय कष्ट जरूर होगा लेकिन परिणाम कुछ भी न होगा। यह स्थिति जो उपरिलिखित तब होगी जब सूर्य किसी भी भाव में हो (और राहु पहले भाव (लग्न)में है)

राहु लग्न में और क्या बदनीयत देता है - बुरी नीयत वाला, चोर को कोतवाल का क्या डर, सरकारी कुर्सी तोड़ने वाला- 11-21-42 वर्ष आयु में पिता के लिए कष्ट या बुरी किस्मत का कारण बनेगा। नौकरी के क्षेत्र में तब्दीली बहुत मगर तरक्की कम होगी।

विवाह होने के समय दहेज में लोहे या बिजली के सामान को लेना अशुभ न होगा।

प्रथम भाव में राहु के होने का उपाय :- 1. गंगाजल घर में रखें। 2. माता की सेवा करें। दूध चावल, चीनी, घी दान करें। हाथी दांत घर में रखें। शीशे के बर्तन में पानी न पिएं। चांदी के बर्तन में दूध पीने से बेहतर होगा। पलंग के पायों में तांबें की कील लगाकर सोने से शुभ लाभ होगा। वट वृक्ष को कभी-कभी पानी डालने से शुभ फल मिलेगा।

2. राहु दूसरे (द्वितीय भाव) :- राहु ग्रह का फल दो रंगा होगा। यानी शुभ-और अशुभ दोनों होगा। द्वितीय भाव का राहु पाप

नहीं करता। द्वितीय भाव लाल किताब के अनुसार मन्दिर होता है। मगर राहु दूसरे भाव के समय वाला व्यक्ति मन्दिर के पुजारियों की आंखों के सामने उनके पूजा-पाठ करते समय मन्दिर की मूर्तियों को लेकर भाग जायेंगे। दिन के समय धन हानि, चोरी वह भी आंखों के सामने। जैसे जेब कट जाना आदि। अपने बुजुर्गों के मकान में उत्तर-पश्चिम दिशा में बैठकर पूर्व की तरफ मुंह करके रवोई बनाएं तो राहु व्यक्ति को और उसके ससुराल वालों को बुरा फल देगा। बुरा घटनाएं, धोखाधड़ी, गबन, चोरी से धन हानि अशुभ समय होगा।

ऐसा व्यक्ति मुफ्त का माल खाकर सारा जीवन व्यतीत करेगा। मगर जप दान करने से परहेज करेगा। एक बात का विशेष ध्यान रखें कि ऐसा व्यक्ति जिसके दूसरे भाव में राहु है वह मरने के समय अपनी कब्र को भी तरसेगा और धर्म स्थान में बैठकर पाप करे तो बुढ़ापा खराब व्यतीत करेगा।

उपाय :- माता की सेवा करें, चांदी की ठोस गोली पास रखें। वृहस्पति की वस्तुएं, केसर, सोना-पीली वस्तुएं शरीर पर पहनें या पास रखें। चांदी की ठोस गोली हर तरह से मदद करेगी।

3. राहु तीसरे भाव :- ऐसा व्यक्ति अपनी जमीन जायदाद वाला, धनवान, किसी से न डरने वाला होगा। भविष्य में होने वाली बातों का दो वर्ष पहले स्वप्न में पता लग जाएगा। कर्जा कभी न छोड़कर मरेगा। शत्रु दबा रहेगा। यदि राहु के साथ मंगल की स्थिति है तो राहु अशुभ न होगा। आयु भी लंबी होगी। यदि राहु के साथ शनि का संबंध तीसरे भाव में हो तो व्यक्ति के भाई बहिन धन बराबाद करेंगे या धन दौलत लेकर मुकर जायेंगे और धोखे फरेब से बरबाद करेंगे। चंद्र ग्रह का उपाय हर तरह से मदद करेगा। यदि राहु के साथ तीसरे भाव में सूर्य-बुध हो तो उपाय के लिए हाथी दांत पास रखें उत्तम फल देगा।

4. राहु चतुर्थ भाव में :- धनवान होने की निशानी होगी, भला होगा और धर्मात्मा होगा। विद्या व बुद्धि का साथ और खर्चा बहुत और शुभ कार्यों पर होगा। उपाय-अपने घर पर ही गंगा जल से स्नान करना या गंगा स्नान करना शुभ फल देगा।

व्यक्ति धनवान होगा यदि चन्द्र भी राहु के साथ स्थित है तो व्यापार और रिश्तेदार से लाभ होगा। जहां बुध बैठा हो वहां सारा धन भर देगा। उदाहरण - बुध बैठा हो 10 भाव में सरकारी कार्यों से धन कमाकर बुजुर्गों के घरों में भर देगा। यदि चन्द्र प्रथम भाव में बुध दशम भाव में, राहु चतुर्थ भाव में है तो ससुराल का धन दौलत व्यक्ति के विवाह के दिन से बढ़ता होगा। व्यक्ति के ससुराल उसे धन देंगे। यदि राहु चौथे भाव में है तो व्यक्ति बल्कि छत ही न बदले, बल्कि छत से सम्बन्धित चार-दीवारी और छत दोनों ही बदले। अकेली छत बदलने से राहु ग्रह अशुभ होगा। धन दौलत का सुख कम होगा। चन्द्र का उपाय करें चांदी के गिलास में पानी पिएं। घर-परिवार में विधवा स्त्री की सेवा करें।

5. राहु पंचम भाव में :- धन दौलत का उत्तम फल सेहत अच्छी, सरकारी कार्यों में लाभ। यदि माता जीवित नहीं है तो धन-परिवार की कमी रहेगी। यदि राहु के साथ चंद्र भी यहां स्थिति हो और सूर्य पहले भाव या पंचम भाव या ग्यारहवें भाव में स्थित हो तो संतान के योग लाख विघ्नकारक हों मगर संतान की संख्या आयु और किस्मत में बर्कत होगी। पांच पुत्र भी हो सकते हैं, उसी तरह व्यक्ति के भाई संख्या में घटते जायेंगे। संतान का जन्म होने पर खुशी मनाने से नर संतान के सुख में कमी होगी। धन का व्यय सेहत बीमारी पर खर्च अधिक होगा। यदि राहु के साथ शनि भी पंचम भाव में बैठा है तो अत्यधिक रुकावटें होंगी। संतान माता के पेट में मर सकती है। व्यक्ति की यदि नर संतान हो भी जाए तो पिता जीवित नहीं रहेगा। यदि राहु और गुरु से संबंध पंचम भाव में हो तो स्त्री पुरुष दोबारा विवाह करे तो राहु अशुभ न होगा। और संतान का सुख होगा।

उपाय :- अपने बुजुर्गी मकान में जाते समय दरवाजे की दहलीज के नीचे चांदी की पतरी दबाएं या शुक्र की वस्तुएं गाय की सेवा करें या पालें। चांदी का ठोस हाथी रखें। बेईमानी, मुफ्त का लेना, झूठी गवाही इन कार्यों से दूर रहें तो राहु के अशुभ का असर संतान पर न होगा।

6. राहु षष्ठ भाव :- इस भाव में स्थित राहु होने पर व्यक्ति स्थायी पर अधिक खर्च करेगा। तरक्की करेगा, बुद्धिमान होगा। जिद्दी और खुद पसन्दी का मालिक होगा। यदि इसके साथ बुध की स्थिति हो तो भाई बहिनों से झगड़ा करे। रोटी से भी तंग। भाई से संबंध बिगड़े होंगे। यदि मंगल बारहवें भाव में है राहु छठे भाव में है तो धर्म ईमान, की इज्जत के लिए राहु का अशुभ फल होगा। ससुराल की किस्मत खराब पत्नी के साथ तलाक तक की नौबत, संबंध खराब रहेंगे।

उपाय :- काला कुत्ता पालना शुभ रहेगा या सिक्के (Lead) की गोली पास रखें। काला शीश भी मदद करेगा।

राहु सप्तम भाव :- धन, दान मगर स्त्री व गृहस्थ का सुख कम होगा। ससुराल व स्त्री चाहे बुरे हों, मगर सरकारी कार्यों में बेहतर होगा। सरकारी क्षेत्र में उच्च पद की प्राप्ति। व्यक्ति को किसी के आगे गरीबी या तंगी के कारण हाथ न फैलाना पड़ेगा।

यदि कुंडली में शुक्र-बुध बारहवें भाव में स्थित हो और राहु सप्तम भाव में तो धनवान मगर चाण्डाल राहु हर तरफ बुरा फल देगा। यदि व्यक्ति का विवाह 21 वर्ष से पहले हो तो स्त्री की मौत या तलाक हो या दोनों में से एक फरार हो जाए, चाल-चलन खराब होगा जिससे बदनामी झेलनी पड़ेगी। स्त्री की कुंडली में से योग होने पर एक से अधिक विवाह होंगे। सट्टे जुए में खराब हालत होगी। धन की कमी भाई-बंधु धन खा जाएंगे। जिस घर जाएं वह ही उजड़ जायेगा। यदि राहु से जुड़े कार्य बिजली का काम जेल विभाग की नौकरी, यातायात के कार्य करने से आयु

को लेकर कुछ शक बना रहेगा।

उपाय :- विवाह के समय चांदी की ईंट स्त्री की माता दान के बाद संकल्प करवा कर अपनी बेटी को दे दे। वह इसे अपने पास पूरा जीवन रखें। तलाक, अलगाव की स्थितियां नहीं घटेंगी। मगर याद रखें, चांदी की ईंट बेचकर इसकी कीमत न खाई जाए। शनि का उपाय नारियल चलते पानी में बहाना शुभ होगा। कुत्ता पालना या कुत्ते की सेवा करने से बरबादी होगी। गंगा जल में चांदी का टुकड़ा डालकर घर पर रखें। 21 वर्ष से पहले विवाह न करें। यदि विवाह हो चुका हो तो चांदी के दो बर्तन(गिलास, कटोरी) आदि लें। उसमें चांदी का चौकोर टुकड़ा डालकर गंगाजल से भर दें। उनमें से एक बर्तन धर्म स्थान में छोड़ आएं और दूसरा अपने पास रखें तो राहु की बुरी स्थितियों से बचाव होगा।

राहु अष्टम भाव :- राजा व फकीर को एक न एक दिन बराबर कर देगा। किस्मत झूले की तरह ऊपर-नीचे और शक्की होगी। बुरी नीयत से कमाया धन व्यक्ति को अपनी कमाई को 4 गुणा कम कर देगा(कर्जदार)। शकल भोली होगी, बुरे कार्य करने वाला अच्छे परिवार का अगर है तो बुरे कार्यों को करेगा। अदालती झगड़े, अधिक व्यय जिस तरह मौत के आगे किसी का बस नहीं चलता उसी प्रकार बुरे समय में कोई मदद या फरियाद करने वाला न होगा। अच्छे बुरे समय में खुद को ही सहारा देगा। अचानक दुर्घटना, बीमारी, लकवा, धनहानि करेगा।

उपाय :- खोटे सिक्के पानी में 43 दिन तक डालें। भट्ठी में तांबे का पैसा डालना भी शुभ होगा। यदि परिवार में कोई बुजुर्ग या मुखिया काला, काना, नि:संतान या मोटा, लंबा कद, सांवला तो राहु परिवार में बुरा फल देगा।

राहु नवम भाव में :- पागलों का डॉक्टर हो सकता है या झाड़-फूंक कर ठीक कर देगा। लालची बनने पर धर्म ईमान खराब होगा। यदि वृहस्पति पांचवे या ग्यारहवें भाव में स्थित हो तो राहु नावम भाव में हो तो साधु-संतों पर फिजूल खर्चे जो लुटेरे बन कर खा जायेंगे। नर संतान की मृत्यु हो जायेगी। पिता-बाबा और ससुराल बरबाद और भाई-बंधु तंग करेंगे। खून के संबंधियों से अदालती झगड़े, नि:संतान होने की निशानी होगी घर की दहलीज के नीचे से गंदा पानी निकलना, कुत्ता गुम होना।

राहू दशम भाव में :- पिता के लिए शुभ माता की सेहत अच्छी होगी। कई बार राहु का शुभाशुभ फल शक्की होगा। शनि की स्थिति कुंडली में जैसी होगी, राहु वैसा फल देगा। यदि शनि प्रबल है, तो धनवान होने की निशानी होगी। राहु सांप की मणि, जो सांप के काटे हुए जहर चूस लेती है; इस तरह मददगार है। व्यापारी और लम्बी आयु वाला यदि कुंडली में शनि या मंगल अशुभ है, तो निर्धन मुसीबत मिले तंगदिल। यदि राहु के साथ सूर्य मंगल दशम में है तो आंखें कमजोर होंगी। सिर में चोट रहेगी। धन दौलत बरबाद करेगी। यदि चन्द्र चौथे भाव में हो तो यह उपाय भी करें।

उपाय :- नंगा सिर न रखें। सिर ढककर रखें। नि:संतान, काना, काले व्यक्ति की सेवा करें। मसूर की दाल रात सिरहाने रख कर भंगी को देवें। मीठा भोजन खिलाएं। तंबाकू, सिगरेट आदि का इस्तेमाल करना या मुफ्त मांगकर पीना अशुभ होगा। इससे बचें। गबन न करें। कच्चे कोयले जल में प्रवाह करें।

राहु ग्यारहवें भाव :- इस स्थिति से पिता की आयु तक धन दौलत बहुत होगी। इसका उपाय- पिता की मौत के बाद सोना या पीली चीजें पास रखें। राहु अब पिता पर भारी न होगा।

यदि शनि तीसरे या पांचवे भाव में स्थित हो, तो व्यक्ति पराक्रम से किस्मत बनाने वाला होगा, धनवान होगा। माता-पिता से धन न लेगा और न पाप करेगा, न किसी को धोखा देगा।

यदि शनि, सूर्य, राहु, मंगल, केतु इनमें से कोई भी ग्रह पहले या पांचवे भाव में होगा और राहु ग्यारहवें में है तो व्यक्ति को शस्त्र का डर, धन दौलत बर्बाद, बीमारी पर धन खर्च होगा। बने बनाए काम बिना कारण बिगड़ते जायेंगे। ससुराल या नाना की दौलत खाली होगी। यदि मंगल यदि तीसरे भाव में हो तो घुटना, पांव दर्द, यात्रा में नुकसान रीढ़ की हड्डी में रोग, नि:संतान; यह स्थितियां होंगी।

उपाय :- धर्म मन्दिर में जाना और दान देना, शरीर पर सोना पहनना शुभ होगा। हथियार, नीले कपड़े, बिजली का सामान और नीलम की अंगूठी पहनना धन और इज्जत खराब होगी। भंगी को दान में कभी-कभी पैसा देना मदद करेगा। अगर गुरु तीसरे या ग्यारहवें भाव में हो तो शरीर पर लोहा धारण करें, सोना धारण न करें। चांदी के गिलास में पानी पिएं। चांदी की नली में सिगरेट का प्रयोग राहु, का जहर कम करेगा।

राहु बारहवें भाव :- यदि यह स्थिति हो तो व्यक्ति शेखचिल्ली की तरह सोचे, क्रोध करे। व्यय अधिक होगा। रोकने पर भी नहीं रुकेगा। शुभ कार्यों पर अधिक खर्च होगा। शनि की स्थिति शुभ हो तो धन बढ़ता जाएगा। यदि शुक्र दशवे भाव में है तो फौजदारी मुकदमा, चोरी, गबन के संबंध में परेशानी और बुरे नतीजे होंगे। दिनभर कमाई करता बोझा ढोता रहेगा। बिना कारण आत्महत्या का कारण बना देगा। जिद्दी शरीर में स्नायु रोग हो सकता है। धुआं अधिक होगा। बदनामी पाने वाला।

उपाय :- रात को आराम करने की जगह पर मंगल की चीजें सौंफ रखने से उत्तम रहेगा। रसोई में खाना खाने से राहु की बुरी शरारतों से बचाव होगा। बदनीयती से धन न कमाएं। बिजली की चोरी न करना, सरसों तंबाकू दान दें। सिक्का (Lead coin)जल में प्रवाहित करें। ननिहाल से संबंध अच्छे रखें। सरस्वती की वंदना करें। गंगाजल से स्नान करें। ❑❑❑